नईदुनिया

तापमान

भोपाल	18.0°	32.0°
इंदौर	17.0°	33.0°
जबलपुर	15.0°	32.0°
ग्वालियर	19.0°	34.0°
सागर	18.0°	33.0°

वर्ष- 80
(भोपालः वर्ष 41 अंक 325, पृष्ठ 12)
आश्विन, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी संवत् 2083
शनिवार, 24 अक्टूबर 2026
कीमतः 3:00 रुपये

www.naidunialive.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... पांच कंपनियों को भूमि आवंटन के आशय पत्र...

खेल... एशियाई पैरा खेल : हरविंदर-विजय की जोड़ी ने ...

व्यापार... भारत-जर्मनी व्यापार और निवेश संबंध मजबूत करने ...

देश-विदेश... दलेर मेहंदी से बोले मुख्यमंत्री, उत्तराखंड में अतिथि...

खास-खबरें

अमिताभ के बंगले को उड़ाने की धमकी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः अभिनेता अमिताभ बच्चन और गायक दिलजीत दोसांझ को शुक्रवार को जान से मारने की धमकी मिली। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को भेजे गए धमकी भरे संदेश में बच्चन के बंगले 'जलसा' को बम से उड़ाने की बात कही गई। संदेश में 31 अक्टूबर से 27 नवंबर के बीच हमले की आशंका जताई गई और इसे 1984 के ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला बताया गया। इसी संदेश में दोसांझ को आत्मघाती हमले में मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पांच दिन पहले मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी हुई थी। उस हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस गिरोह ने ली थी।

आसाराम पंचकर्म कराने नहीं पहुंचे

नईदुनिया ब्यूरो, उज्जैनः नाबालिग से बलात्कार के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की शुक्रवार को तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द की शिकायत के कारण वे धन्वंतरि आयुर्वेदिक चिकित्सालय में पंचकर्म कराने नहीं पहुंचे। उन्होंने अंकपात मार्ग स्थित आश्रम में आराम किया। स्वास्थ्य में सुधार होने पर शनिवार को फिर चिकित्सालय जाने की संभावना है। आसाराम 21 अक्टूबर से उज्जैन में हैं। वे बुधवार और गुरुवार को पंचकर्म के लिए चिकित्सालय गए थे। चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. निपेंद्र मिश्रा के अनुसार, आसाराम लंबे समय से सिर और कमर के दर्द से परेशान हैं। इसी उपचार के लिए उन्हें 14 दिन तक पंचकर्म कराने की सलाह दी गई है।

युवाओं में लोकप्रिय हो रहे राहुलः थरूर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को एक समाचार चैनल के कार्यक्रम में कहा कि राहुल गांधी ने बीते कुछ महीनों में युवा मतदाताओं के बीच लोकप्रियता हासिल की है। भाजपा को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।थरूर ने यह प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान के एक दिन बाद दी, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के 'असफल उत्पाद' को बार-बार पेश करने की बात कही थी। थरूर ने कहा कि पार्टी में अलग विचार रखना उसके खिलाफ जाना नहीं है। उन्होंने बताया कि वे मतदाताओं के एक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, कांग्रेस के लिए प्रचार करते हैं।

समाज को बाँटने वाली ताकतों के विरुद्ध एकजुट हों: मोदी

आत्मनिर्भरता के लिए लोगों को प्रेरित करें, 2047 के संकल्प से हर व्यक्ति को जोड़ेंः प्रधानमंत्री

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत मंडपम में चिन्मय मिशन के तीन दिवसीय 'चिन्मय अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया। 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित इस समारोह में उन्होंने समाज को बांटने वाली ताकतों के विरुद्ध एकजुट होने और देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशकों में समय बदला है और देश के सामने नई चुनौतियां तथा सामाजिक बुराइयां आई हैं। इनके समाधान की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना होगा। जब भारत स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, उसी समय चिन्मय मिशन भी अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे करेगा। इसलिए विकसित भारत और मिशन का मार्ग एक है।

देश ऋषियों और राष्ट्रभक्तों के सपनों के मार्ग पर

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने स्वामी चिन्मयानंद के त्रिआयामी होलोग्राम से बातचीत की। यह तकनीक वास्तविक दिखने वाले डिजिटल स्वरूप को प्रस्तुत करती है। स्वामी चिन्मयानंद का निधन 3 अगस्त 1993 को हुआ था। चिन्मय मिशन की स्थापना उन्होंने 1951 में की थी। मोदी ने कहा कि भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण देश के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अयोध्या का राम मंदिर, उज्जैन का महाकाल धाम तथा केदारनाथ और बद्रीनाथ इसके उदाहरण हैं। उन्होंने बताया कि बीते 12 वर्षों में विदेशों से 600 मूर्तियां वापस लाई गई हैं। उनके अनुसार, देश अब ऋषियों और राष्ट्रभक्तों के सपनों के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

संस्कृति के साथ तकनीकी शिक्षा पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि वेदों में राष्ट्र को महान बनाने का संदेश दिया गया है। स्वामी चिन्मयानंद ने गीता के ज्ञान का प्रसार किया और आज लाखों युवा भारतीय संस्कृति के दूत बन रहे हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति में संस्कृति के साथ तकनीकी शिक्षा पर ध्यान देने की बात भी कही। मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद से अपनी मुलाकात का स्मरण करते हुए बताया कि फरवरी 1993 में वे उन्हें शिकागो में विश्व धर्म संसद के शताब्दी समारोह में आमंत्रित करने गए थे। उन्होंने कहा कि स्वामीजी का विचार आज भी जीवंत है।

प्रदेश में मत्स्य उत्पादन दोगुना करने नई नीति-लागू

मत्स्य पालन को खाद्य प्रसंस्करण व लघु उद्योगों से जोड़ेंगेः डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में मत्स्य उत्पादन दोगुना करने के लिए नई एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 लागू की गई है। प्रदेश के जलस्रोतों को निवेश, नवाचार और निर्यात से जोड़कर मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन का अग्रणी केंद्र बनाया जाएगा। वे शुक्रवार को भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय मत्स्य निवेशक एवं निर्यातक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में एक लाख नए पिंजरा पालन केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है। मत्स्य पालन को खाद्य प्रसंस्करण और लघु उद्योगों से जोड़ा जाएगा। निवेशकों को भूमि, तकनीकी सहायता और अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। मछली उत्पादन के बाद प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, पैकेजिंग और विपणन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा। सम्मेलन में मध्यप्रदेश मत्स्य पालन निवेश एवं निर्यात मार्गदर्शिका और निर्यात पोर्टल की मानक प्रक्रिया पुस्तिका का विमोचन हुआ। रायसेन जिले के बारना जलाशय में निजी सहभागिता से स्थापित 500 पिंजरा पालन केंद्रों का शुभारंभ किया गया। जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास की योजना को भी प्रशासनिक स्वीकृति सौंपी गई।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है। वर्ष 2014 में देश का मत्स्य उत्पादन 95.7 लाख टन था, जो बढ़कर 198 लाख टन हो गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने मत्स्य पालन को किसानों की आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बताया। सम्मेलन में देश-विदेश के निवेशकों, निर्यातकों, खरीदारों, विक्रेताओं और मत्स्य उत्पादक संगठनों ने भाग लिया। जलस्रोतों के बेहतर उपयोग और मत्स्य उद्योग में निवेश बढ़ाने पर चर्चा हुई।

50 हजार को रोजगार

मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने बताया कि प्रदेश का वर्तमान मत्स्य उत्पादन 4.45 लाख टन है। अगले तीन वर्षों में इसे 10 लाख टन करने का संकल्प है। इस क्षेत्र में हर वर्ष 5,000 करोड़ रुपये का निवेश बढ़ाने और 50,000 रोजगार अवसर पैदा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दस हजार रोजगार मिलने की संभावना

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 5,800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

नईदुनिया ब्यूरो, इंदौरः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को दो दिवसीय मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर सम्मेलन-2026 का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश को लगभग 5,800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनसे दस हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

सम्मेलन में एक हजार से अधिक प्रतिनिधियों के साथ जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और स्वीडन के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश को देश का प्रमुख सेमीकंडक्टर और तकनीकी केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश में ढाई वर्ष में 25 से अधिक नीतियां बनाई गई हैं। विभिन्न प्रयासों से मिले लगभग 34 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से 30 प्रतिशत से अधिक धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने और समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश कृषि के साथ उद्योग, तकनीक और विनिर्माण में भी आगे बढ़ रहा है। ग्वालियर में दूरसंचार विनिर्माण, जबकि फार्मा, वस्त्र और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में काम जारी है। प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता लगभग पांच हजार मेगावाट से बढ़कर 32 हजार मेगावाट हो गई है।

सम्मेलन में चिप अभिकल्पना, उन्नत पैकेजिंग, परीक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण पर चर्चा हुई। दो दिनों में आठ परिचर्चाएं, पांच गोलमेज बैठकें और छह मुख्य व्याख्यान होंगे।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

नईदुनिया ब्यूरो, सीवानः बिहार के सीवान जिले के आलमपुर गांव में पटाखे बनाते समय हुए विस्फोट में एक ही परिवार के पाँच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पटाखा फैक्टरी के मालिक अमीरुद्दीन समेत दो पुरुष, दो बच्चियाँ और एक महिला शामिल है। जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने पाँच मौतों की पुष्टि की है। शुरुआती जानकारी में सात लोगों की मौत की बात कही गई थी। घटना जामो थाना क्षेत्र की है। गांव की एक इमारत में पटाखे बनाए जा रहे थे, तभी अचानक विस्फोट होने लगे। धमाकों से पूरा मकान ढह गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब डेढ़ घंटे तक रुक-रुककर विस्फोट होते रहे। मकान के मलबे और आसपास के क्षेत्र में शव बिखर गए।

राष्ट्रपति ने किया संवाद, बच्ची बोली- कलेक्टर बनूंगी

नईदुनिया ब्यूरो, जगदलपुरः बस्तर दशहरे के मुरिया दरबार में शामिल होने वाली द्रौपदी मुर्मू देश की पहली राष्ट्रपति हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से बस्तर नक्सलवाद से मुक्त होकर प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि बस्तर के युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीत सकते हैं। राष्ट्रपति ने लोगों से पेड़-पौधों और जंगलों की रक्षा करने की अपील की। प्रदर्शनी के दौरान उनकी मुलाकात एक बच्ची से हुई। राष्ट्रपति ने उससे पूछा कि वह बड़ी होकर क्या बनना चाहती है। बच्ची ने जवाब दिया, 'कलेक्टर बनूंगी।' दो दिवसीय बस्तर दौरे पर आईं राष्ट्रपति ने मां दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद वे सिरहासार भवन में आयोजित मुरिया दरबार में शामिल हुईं। यहां उन्होंने मांझी-चालकियों और जनजातीय प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुर्मू ने मुरिया दरबार की परंपरा को लोकतंत्र का गौरव बढ़ाने वाली व्यवस्था बताया। राष्ट्रपति ने लालबाग मैदान में आयोजित आमसभा को संबोधित किया। उन्होंने बस्तर दशहरे और जनजातीय संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी में लगाए गए कक्षों का भी अवलोकन किया।

तिब्बत में भूकंप से 16 की मौत, 65 घायल

ल्हासा, एजेंसीः तिब्बत में गुरुवार रात सात तीव्रता का भूकंप आया। इसमें 16 लोगों की मौत हो गई और 65 लोग घायल हुए हैं। बारह हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राहत और बचाव कार्य जारी है। चीनी सरकारी माध्यमों के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक भूकंप के बाद चार सौ से अधिक झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र नागक्यू शहर के बाछेन जिले में था। इसकी गहराई दस किलोमीटर से कम बताई गई है। यह स्थान तिब्बत की राजधानी ल्हासा से लगभग चार सौ किलोमीटर दूर है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप से तीन सौ तीस से अधिक मकान ढह गए या क्षतिग्रस्त हुए हैं। पाकिस्तान में 4.9 और अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता के झटके भी महसूस किए गए।

टकराव गलवान जैसी स्थिति से बचने के लिए सीमा बल ड्रोन क्षमता बढ़ाएगा...

अरुणाचल में भारतीय-चीनी सैनिकों के बीच तनाव

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली : भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा है कि पिछले कुछ महीनों में अरुणाचल प्रदेश में भारतीय और चीनी सैनिक कई स्थानों पर आमने-सामने आए और टकराव की स्थिति बनी। उन्होंने बताया कि सीमा पर तनाव अब भी जारी है। कपूर ने गुरुवार को राजस्थान के अलवर स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय में हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान यह बात कही। कपूर ने सार्वजनिक रूप से बताया कि जुलाई के अंत से अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा क्षेत्रों में तनाव बना हुआ है। भारत ने भी सीमा पर अपनी तैनाती बढ़ाई है। उनके अनुसार, जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुईं, लेकिन तनाव कम नहीं हुआ। कपूर ने कहा कि गलवान जैसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए बल को ड्रोन और उनसे निपटने वाली प्रणालियों पर ध्यान देना चाहिए। बल की आधुनिकीकरण योजना के तहत करीब चार हजार करोड़ रुपये की मंजूरी मिलने पर एक हजार करोड़ रुपये ड्रोन और उन्हें निष्क्रिय करने वाली प्रणालियों के लिए रखे जाएंगे। मौजूदा चार सौ करोड़ रुपये की योजना में भी लगभग 70 प्रतिशत राशि ड्रोन क्षमता बढ़ाने पर खर्च करने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा बल की सभी सीमा बटालियनों में ड्रोन टुकड़ियां बनाई गई हैं। जवानों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और बल अपने ड्रोन बनाने पर भी काम कर रहा है। सीमा चौकियों पर भूमिगत संरचनाएं बनाने की परीक्षण योजना भी शुरू की गई है। इन्हें आगे स्थायी सुरक्षा व्यवस्था के रूप में विकसित करने की योजना है। बल ने आधुनिक युद्ध कौशल सिखाने के लिए 'स्ट्राइक' नाम का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया है। वर्ष 2027 के अंत तक पूरे बल को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है।